बी.ए. - I (2016-17, 2017-18, 2018-19)

हिंदी - ऐच्छिक - पेपर - I

कथासाहित्य - I **सत्र -I**

QIM 1.1.1 - Course Code - U-HIN-108

बी.ए. प्रथम वर्ष हिंदी ऐच्छिक पेपर प्रथम 'कथा साहित्य' के अंतर्गत हिंदी कहानी उद्‌भव विकास, कहानी के तत्वों को रखकर कुछ अलग कहानियाँ पाठ्यक्रम में जोड़ दी गई है। जिसमें सभ्यता का रहस्य, लालपान की बेगम, मैं हार गई और सलाम आदि विभिन्न विशेषताओंसे युक्त कहानी पाठ्यक्रम में निश्चित की गई। भारत-पाक विभाजन का प्रभाव न केवल शहरों तक बल्कि गाँवो - कस्बों पर भी कैसा पड़ा था इसे जानने के लिए कमलेश्वर कृत 'लौटे हुए मुसाफिर' यह उपन्यास रखा गया।

ज्ञानात्मक उद्‌देश (Learning Objective) :

पद और प्रतिष्ठा के कारण लोगों की दृष्टि से सभ्यता के मानंदड कैसे बदलते हैं, और असभ्यही कैसे सभ्य कहलाता है, आदर्श राजनेता की कल्पना करना भी कैसे कल्पनातीत है, वर्णव्यवस्था के कारण दलितों पर हो रहे अन्याय और आज समादृष्टि समाज के लिए दलितों द्वारा हो रहा प्रतिरोध आदि प्रासंगिक विषयों कहानियों के माध्यम से जानने और आज की राजनीतिक व्यवस्था, स्वार्थ के आड़ में मूल्यों की झूठी प्रतिष्ठा कैसे पनपती जा रही है यह समझने के उद्‌देश्य से प्रस्तुत पाठ्यक्रम निश्चित किया गया। भारत-पाकिस्तान का बँटवारा केवल दो देशों का ही नहीं बल्कि दो दिलों का भी बँटवारा है, इस घटना ने कैसे नफरत की आग दिलों में पैदा की और उसका प्रभाव देश के गाँवों तक कैसे पड़ा यह समझाने के उद्‌देश्य से प्रस्तुत पाठ्यक्रम निश्चित किया गया।

पाठ्यक्रम की उपलब्धि (Course outcomes) :

प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से प्रतिष्ठा बनाय रखने के लिए व्यक्ति मूल्यों को भी कैसे खुँटी पर रख देता है। इससे सभी विद्यार्थी अवगत हुए। आज राजनेता कितने भ्रष्ट बन गये हैं और पढ़े-लिखे दलित युवकों में अन्याय का विरोध करने का सामर्थ्य कैसे आ रहा है आदि समसामायिक विषयों के संदर्भ में विद्यार्थी सोंचने के लिए बाध्य हो जाते हैं। बँटवारे के समय धार्मिक कट्टरता कितनी भयावह थी इससे भी विद्यार्थी परिचित होकर परिकल्पना कर उस समय भयावह सामाजिक परिस्थिति को समझने का प्रयास विद्यार्थियों ने किया।

B.A. (1st) - (Optional) - सत्र - पहला

हिंदी ऐच्छिक पेपर प्रथम - सत्र प्रथम

Paper No. 01 : Title of the Paper : कथा साहित्य

Unit 1 आत्मकथा : कहानी : उद्‌भव, विकास एवं - तत्व

1) प्रेमचंद पूर्व कहानी
2) प्रेमचंदकालीन कहानी
3) प्रेमचंदोत्तर कहानी

Unit 2 कहानियाँ : कहानियाँ

1) सलाम - ओमप्रकाश वाल्मिकी
2) सभ्यता का रहस्य - प्रेमचंद
3) मैं हार गई - मन्नु भंडारी
4) लालपान की बेगम - फणीश्वरनाथ रेणु

Unit 3 उपन्यास : उपन्यास : उद्‌भव, विकास एवं तत्व

1) प्रेमचंद पूर्व उपन्यास
2) प्रेमचंद कालीन उपन्यास
3) प्रेमचंदोत्तर उपन्यास

Unit 4 उपन्यास : उपन्यास

1) लौटे हुए मुसाफिर - कमलेश्वर
2) उपन्यास के तत्त्वों के आधार पर विश्लेषण
3) चारित्रिक विशेषताओं का विश्लेषण
4) लौटे हुए मुसाफिर का समीक्षात्मक विश्लेषण

Unit 5 :

वर्ष 2011-12 तक की 'हंस' इस साहित्यिक पत्रिका में प्रकाशित लघुकथाओं का संकलन एवं विश्लेषण

बी.ए. - प्रथम (ऐच्छिक) - II[nd]

वर्ष - (2016-17, 2017-18, 2018-19)

नाटक तथा एकांकी

Learing Objective **Course Code - U-HIN-109**

वर्ष 2017-18 से हमने आभ्यासक्रम में बदलाव किए है। लगातार तीन सालों के बाद हमने आभ्यासक्रम में एक तथा नाटक 'कोर्ट मार्शल' रखा है। कोर्ट मार्शल वह प्रासंगिक वर्तमान परिप्रेक्ष में दलित मानसिकता को उजागर करता है। 'कोर्ट मार्शल' अपने आप में दलित साहित्य का दस्तावेज है। जिसके माध्यम से अफसरी सभ्यता के साथ उनकी असंवेदनशीलता को बताता है। मनुष्य को मनुष्य न समझकर उसको जाँति में से उसका मुल्यांकन किया गया है। समाज में पनपनेवाली जाँति की समस्या के विदारक रूप में की प्रस्तुत किया है। प्रस्तुत चार एंकाकियों में एंकाकी द्वारा अल्ट्रसाऊँड मशिन की दुरूपयोगिता तथा स्त्री-भ्रूण हत्या की समस्या को बताया है। रीढ़ की हड्डी एंकाकी द्वारा दहेज प्रताड़ित स्त्री को बताया है। जहाँ विवाह में वर पक्ष की असंवेदनशीलता को बताया है। डॉक्टरसाहब भी अजिब है एकांकी द्वारा नायिका साफ-साफ दहेज लेनेवाले पति से विवाह करने कसे इन्कार करती है। कमाई किसकी एकांकी में स्त्री की आर्थिक सबलता उसकी स्वतंत्रता के लिए काफी नहीं है इस बात को बताया है। समग्र एकांकियाँ स्त्री पक्ष की मानसिकता तथा उसकी विविध समस्याओं पर उजागर करती है।

Learing Outcome :

साहित्य में इन दिनों नए दो प्रवाह शुरू है। दलित - विमर्श और स्त्री-विमर्श। विद्यार्थियों के कोर्टमर्शल द्वारा दलित विमर्श तथा एकांकियों द्वारा स्त्री विमर्श की जानकारी प्राप्त होती है। साथ ही मानवी मुल्य जो समाज को दिशा देने का काम कर रहे हैं।

B.A. (1st) - (Optional) - सत्र - पहला
हिंदी ऐच्छिक पेपर द्वितीय सत्र प्रथम

Paper No. 02 : Title of the Paper : नाटक एवम् एकांकी

Unit 1 कहानी : **1) नाटक के तत्व एवं उद्‌भव विकास**

1) नाटक के तत्व

2) नाटक का उद्‌भव विकास

1) जयशंकर प्रसाद पूर्व युग

2) प्रसाद कालीन युग

3) प्रसादोत्तर युग

Unit 2 नाटक : **1) नाटक**

1) कोर्ट मार्शल - स्वदेश दीपक

2) नाटक के तत्वों के आधार पर विश्लेषण

3) चरित्रों का विशेष विश्लेषण

4) दलित विमर्श और कोर्ट मार्शल

Unit 3 उपन्यास :

1) एकांकी के तत्व एवं उद्‌भव विकास

Unit 4 तीन एकांकियाँ : 1) तीन एकांकियाँ

1) डॉ. साहब भी अजीब है - स्वरूपकुमारी बक्षी

2) वारिस - अशोक कुमार

3) रीढ़ की हड्डी - जगदीशचंद्र माथुर

4) कमाई किसकी - डॉ. सुशिला कपूर

प्रतिनिधी महिला एकांकी-डॉ. माधव सोनटक्के-लोकभारतीय प्रकाशन

Unit 5 : ग्रुप बनाकर एकांकी एवं नाटक मंचन

बी.ए. - I (2016-17, 2017-18, 2018-19)

हिंदी - ऐच्छिक - पेपर - III सत्र - II

निबंध तथा कथेतर गद्य - III

Q 1.1.1 - **Course Code - U-HIN-208**

बी.ए. प्रथम वर्ष के द्वितीय अध्ययन के अंतर्गत हिंदी ऐच्छिक पेपर तृतीय 'निबंध तथा कथेतर गद्य' के अंतर्गत निबंध विधा का ऐतिहासिक दृष्टि से विकास और सामान्य परिचय पाठ्यक्रम में निश्चित किया गया। प्रतिनिधि निबंधों में 'लज्जा और ग्लानि', 'कुटज', 'मैं और मेरा देश', 'आँगन का पंछी' आदि तो कथेतर गद्य के अंतर्गत 'निराला भाई', जब तक बिमलाएँ हैं, 'संस्कारों और शास्त्रों की पढ़ाई' तथा 'कुबेर की धनी धरती पर मौत की फसल' आदि रचनाएँ पाठ्यक्रम में निश्चित की गई।

ज्ञानात्मक उद्देश्य (Learning Objectives):

सात्विक दृष्टि से 'लज्जा और ग्लानि' के मनोविकारों में सात्विकता का महत्व, पर्यावरणीय संतुलन के लिए पंछियों का महत्व, राष्ट्र के प्रति हमारा कर्तव्य, कुटज जैसे पौधे की जीवट जिंदादिली, मनुष्य की बढ़ती लालसा और अर्थ प्राप्ति के लिए संस्कारों का पिछड़ना, निराला के जीवन के वे प्रसंग जिसमें उनका आत्महन्ता होकर महाप्राणत्व बने रहना आदि विषयों के समझने के उद्दश्यों को सामने रखकर प्रस्तुत पाठ्यक्रम निश्चित किया गया।

पाठ्यक्रम की उपलब्धि (Course Outcomes) :

प्रस्तुत पाठ्यक्रम की रचनाओं का अध्ययन करने से विद्यार्थियों को संस्कारों का महत्त्व, पर्यावरण के प्रति उत्तरदायित्व, स्वदेशाभिमान, कुटज जैसे जीवन जीने की जिंदादिली विद्यार्थियों के मन में जगी। वे इनसे प्रेरित हुए। निराला जी के जीवन से परिचित होकर उन्हें प्रेरणा मिली।

B.A. (1st) - (Optional) -
हिंदी ऐच्छिक पेपर तृतीय सत्र द्वितीय

Paper No. 03 : Title of the Paper : निबंध तथा कथेतर गद्य

Unit 1 निबंध : **1) निबंध : उद्भव-विकास एवं तत्व**

1) निबंध के तत्व

2) निबंध : उद्भव - विकास

Unit 2 निबंध : **1) निबंध**

1) लज्जा और ग्लानि - आचार्य रामचंद्र शुक्ल

2) कुटज - हजारी प्रसाद द्विवेदी

3) मैं और मेरा देश - कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

4) आँगन का पंछी-विद्यानिवास मिश्र

Unit 3 कथेतर गद्य-सामान्य परिचय :

1) कथेतर गद्य-सामान्य परिचय

1) संस्मरण

2) रेखाचित्र

3) व्यंग्य

4) रिपोर्ताज

Unit 4 कथेतर गद्य :1) कथेतर गद्य

1) संस्मण - निराला भाई

2) रेखाचित्र - जब तक बिमलाएँ है - चित्रा मुदुगल

3) व्यंग्य-संस्कारों और शास्त्रों की पढाई-हरिशंकर परसाई

4) रिपोर्ताज - कुबेर की धनी धरती पर मौत की फसल-प्रवीण शर्मा

Unit 5 : 1) कथेतर गद्य के आधार पर

1) विद्यार्थियों की व्यक्तिगत अभिव्यक्ति

बी.ए. - (प्रथम) ऐच्छिक - IVnd

वर्ष - (2016-17, 2017-18, 2018-19)

आत्मकथा और जीवनी

Learing Objective **Course Code - U-HIN-209**

आभ्यासक्रम में वर्ष 2013-14 के दूसरे सत्र में हमने मन्नु भंडारी इस प्रसिध्द हिंदी लेखीका की आत्मकथा 'एक कहानी यह भी' रखी है। यह एक लेखकिय आत्मकथा है। लेखीका मन्नु भंडारी ने अपने बचपन, विवाह, लेखन का सफर, आदि पहलुओं को उजागर किया है। लेखक की संवेदनशीलता रिश्तों के प्रति ईमानदारी, लेखन के प्रति उसकी प्रतिबध्दता नजर आती है। साथ ही कलम का सिपाही इस जीवनी द्वारा प्रेमचंद के व्यक्तित्व के सीधेपन को अमृतराय ने बताया है उसे भी हमने रखा है। निराली की साहित्यिक साधना जिसमें निराला के व्यक्तित्व के साथ उनके कृतित्व का भी उल्लेख किया है। आवारा मसिहा शरतचंद्र चटर्जी के उपन्यासों की लोकप्रियता तथा उनके व्यक्तित्व को कुछ पहलुओं पर प्रकाश डाला है। इस अभ्यास क्रम की विशेषता यह है हमने हिंदी साहित्य की दृष्टि से लेखकों के व्यक्तित्व को महत्व दिया है। वह लेखन क्या है? क्या सोचता है? उसके जीवन की विविध घटनाएँ उसके व्यक्तित्व को किस प्रकार बुनती है। इसकी जानकारी मिलती है।

Learing Outcome :

साहित्य के विद्यार्थी को यह जानना चाहिए कि एक लेखक किसप्रकार बनता है इसके लिए लेखकिय आत्मकथा और जीवनी से अच्छा दुसरा पर्याय नहीं है। इस आभ्यासक्रम द्वारा लेखक यह समझ पाए कि मन्नु भंडारी, प्रेमचंद, निराला, शरतचंद्र चटर्जी जैसे विश्व कोटी लेखकों का व्यक्तित्व कितना सीधा, निगर्वी, त्यागी, संवेदनशील था।

B.A. (1st) - (Optional) - सत्र - द्वितीय

हिंदी ऐच्छिक पेपर चतुर्थ सत्र द्वितीय

Paper No. 04 : Title of the Paper : आत्मकथा एवं जीवनी

Unit 1 आत्मकथा : आत्मकथा - सामान्य परिचय

Unit 2 आत्मकथा : आत्मकथा

एक कहानी यह भी-मन्नु भंडारी

Unit 3 जीवनी : जीवनी परिचय

Unit 4 जीवनी अंश : जीवनी अंश

1) निरालाजी की साहित्य साधना - रामविलास शर्मा
2) कलम का सिपाही - अमृतराय
3) आवारा मसीहा - विष्णु प्रभाकर

Unit 5 प्रेरक आत्मकथा : प्रेरक आत्मकथा एवं जीवनी का विश्लेषण

1) सत्य के प्रयोग - माहात्मा गांधी
2) अग्निपंख - डॉ. कलाम
3) आय डेअर - किरण बेदी
4) जूठन - ओम प्रकाश वाल्मीकि
5) आमच्या आयुष्यातील आठवणी - रमाबाई रानडे